दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

पत्रांक : /2021–22 दिनांक 11.10.2021

प्रकाशनार्थ

आज दिनांक 11.10.2021 को आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना, रोवर्स–रेंजर्स, एन.सी.सी., मिशन शक्ति के संयुक्त तत्वावधान में एक जनजागरण रैली महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वीणा गोपाल मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित हुआ जो गोलघर, चेतना तिराहा, कचहरी चौराहा, हरिओम नगर होते हुए महाविद्यालय में समाप्त हुआ। इसके पश्चात् मिशन शक्ति एवं विधिक सेवा प्राधिकरण गोरखपुर के में जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हूआ। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए प्राधिकरण के सचिव श्री देवेन्द्र कुमार द्वितीय ने कहा कि एक समता मूलक समाज की परिकल्पना के पुरूष और नारी दोनो धुरी हैं। इसलिए दोनों को दृढ़ रखना आवश्यक है। इन्होंने ने बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर बल दिया और कहा कि विधिक सेवा एक ऐसा माध्यम है जो महिलाओं के साथ–साथ परिवार को विधिक सेवाएं प्रदान कर उन्हें जागरूक करता है जिससे वे जनमानस को स्वस्थ समाज प्रदान कर सके इन्होंने नारी को शक्ति का प्रतीक बताते हुए कहा कि ये देवी के रूप में उपास्य हैं।

विशिष्ट वक्ता के रूप में बोलते हुए श्री अरविन्द कुमार यादव, प्रभारी, एन.टी.रोमियों दल ने कहा कि बालिकाओं का सेन्स ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति होती है जो ईश्वर प्रदत्त है और हर बालिका को अपनी अर्न्तआत्मा की आवाज पर भरोसा करना चाहिए। किसी भी गलत कार्य के विरूद्ध उसे दृढ़ संकल्प कर उसकी प्रतिक्रिया करनी चाहिए तथा उसे अपनी सुरक्षा स्वयं करनी होगी। उन्होंने बालिकाओं के सुरक्षा, सम्मान तथा इनके स्वावलम्बन के साथ–साथ सदैव जागरूक रहने का सलाह दिया।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वीणा गोपाल मिश्रा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ सहित विश्व के अनेक देश नारी के सम्मान में विभिन्न प्रकार के आयोजन कर रहे हैं। जो निश्चित रूप से राष्ट्र के विकास तथा नारी के प्रगति का सूचक है आज देश का कोई ऐसा क्षेत्र नही जिसमें महिलाओं का योगदान न हो जहां वे निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करती हैं लेकिन फिर भी इनकी सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति और एन.टी.रोमियों जैसे बलो का गठन किया जाता है हमें ज्ञात है कि जन्म से पूर्व से लेकर जीवन के अंत तक महिला सुरक्षा के लिए अनेक संवैधानिक व्यवस्थाएं बनायी गयी हैं जिसमें बालिकाएं अपनी सुरक्षा स्वयं कर सकती हैं इनके अधिकार असिमित हैं लेकिन इसके लिए उन्हें शिक्षित होना अत्यन्त आवश्यक है। क्योंकि मातृशक्ति ही राष्ट्र की पहचान है इन्हें अपनी नैतिक चेतना को जगाना है और अपने अन्दर के प्रकाश को प्रकाशित करना है जो ईश्वर ने इन्हें दिया है इन्होने कहा कि बालिकाओं को अपने चरित्र और आचरण का मजबूत रखते हुए अन्याय से लड़ना होगा क्योंकि चरित्र महिला का आभूषण होता है। अपनी आत्मा की मर्यादा के विरूद्ध कोई कार्य न करें नारी सुरक्षा एक जन क्रान्ति है जिसकी अलख सम्पूर्ण समाज को जगाना होगा।

इस अवसर पर रेड रिबन क्लब की नोडल अधिकारी डॉ. रूक्मिणी चौधरी ने टी.वी., एच.आइ.वी./एड्स से सुरक्षा और बचाव की सलाह दीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी नोडल अधिकारी मिशन शक्ति और आभार ज्ञापन डॉ. विभा सिंह काउन्सलर, मिशन शक्ति ने किया।

डॉ.(वीणा गोपाल मिश्रा)
प्राचार्य